समूह की महिलाओं को लखपति बना गया महाकुम्भ

अवसर

- स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मिला महाकुम्भ में काम
- कैंटीन संचालन से उन्नाव के समूह ने नौ दिन में कमाए 15 लाख

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता।

महाकुम्भ 2025 तमाम लोगों को बहुत कुछ दे गया। यहां आने वाले ऐसे लोगों की भी झोली भरी जो 20 और 25 रुपये के लिए भी काम करते हैं। इन्हीं में शामिल है राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाएं। महाकुम्भ के सेक्टर नंबर 10 में सरस हाट बनाया गया था। जहां पर 60 से अधिक दुकानों का आवंटन किया गया। इसके अलावा अलग-अलग सेक्टरों में 10 से 15 दुकानों का आवंटन हुआ। उन्नाव के एक समूह को कैंटीन खोलने के लिए मेला क्षेत्र में जगह दी गई थी। एनआरएलएम के जिला मिशन प्रबंधक शरद कुमार सिंह का कहना है कि समूह ने शुरुआती नौ दिन में 15 लाख रुपये की आय अर्जित कर ली थी। वहीं मेला क्षेत्र के बाहर लगी एक कैंटीन में 10 लाख रुपये की आय अर्जित की। होलागढ़ के ज्योति समूह ने अचार और मुरब्बा बेचकर मेले के दौरान 20 लाख रुपये की आय की। प्रत्येक समूह से 20 महिलाएं जुड़ी हैं। यह वो महिलाएं हैं, जिन्हें बिजली का बिल, बैंक खाता खुलवाने पर प्रति व्यक्ति 20 और 25 रुपये मिलता था। एक महीने में इनकी आय में बढ़ोतरी हुई।

समूह पर एक नजर

- जिले में कुल स्वयं सयहाता समूह 25 हजार
- एक समूह में तैनात महिलाएं औसतन 11
- समूह से जुड़ीं कुल महिलाएं 03 लाख

75 जिलों से रोटेशन पर आईं दुकानें

प्रदेश सरकार ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए यहां पर प्रदेश के सभी 75 जिलों के समूह की महिलाओं के लिए दरवाजे खोले थे। जिला मिशन प्रबंधक शरद कुमार सिंह का कहना है कि हर जिले से रोटेशन पर दो से तीन समूह यहां पर 15-15 दिन के लिए आए। जिन्होंने अपने जिलों में तैयार किए गए उत्पाद भी बेचे।

आंवले का अचार, मुरब्बा और कैंडी खूब पसंद किया

सोरांव के प्रीति स्वयं सहायता समूह की ओर से आंवले का आचार, मुरब्बा और कैंडी यहां रखे गए, जो लोगों को खूब पसंद आए। वहीं प्रतापपुर के मां शीतला स्वयं सहायता समूह की ओर से गोबर के सुगंधित दीये और धूपबत्ती लोगों को खूब पसंद आई। जिससे चंद दिनों में लाखों रुपये की आय हुई। वहीं प्रयागराज के मूंज उत्पाद, गहने और अमरूद उत्पाद की भी बिक्री से भी आय प्राप्त हुई है।